pan>

Title: Regarding growing insecurity and fear due to rising incidents of religious intolerance accross the country.

SHRI K. MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): On the issue of growing fear and insecurity due to rising incidents of religious intolerance across the country, I have asked Shri Gaurav Gogoi to speak. So, kindly allow him.

HON. SPEAKER: I am allowing him.

Shri Gaurav Gogoi.

प्लीज बैठिए। सभी नहीं बोलेंगे। केवल गौरव गोगोई।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उसमें सहयोगी बनिए।

SHRI GAURAV GOGOI (KALIABOR): Madam Speaker, I rise to speak on an issue of utmost importance. As you can see, I have the support of all my colleagues of my Party and I am sure of the support of all my colleagues across parties as well.

I rise to bring to the attention of this august House the growing fear and insecurity that people in India are feeling due to rising incidents of religious intolerance. Influential public personalities and persons holding constitutional posts are making purposeful remarks which are deliberately wounding the religious sentiments of people.

In Haryana, in the area of Hissar, a religious place has been desecrated, insulted, violated and disrespected, but unfortunately the Chief Minister is saying that it is all right because the religious institution lacks valid legal papers. How can they say in a country where we respect all religions, that a church can be desecrated and violated just because there are no legal papers? This does not seem to be an isolated incident. According to a National Executive Member of the BJP, who went to Assam, भगवान सिर्फ मंदिर में रहते हैं, चर्च में नहीं रहते हैं, मस्जिद में नहीं रहते हैं।

माननीय अध्यक्ष : नाम नहीं जाएगा।

SHRI GAURAV GOGOI: Madam Speaker, this does not seem to be an isolated statement. ऐसे स्टेटमेंट बार-बार आते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के कहने के बाद भी ऐसे स्टेटमेंट क्यों आ रहे हैं? आज हरियाणा में जो हो रहा है, वेस्ट बंगाल में एक नन के साथ जो हुआ, असम में जिस तरह का वक्तव्य दिए जा रहे हैं, यह बहुत ही थ्रेटनिंग सिचुएशन है। जहां बहुत सारे लोगों और इस देश की आबादी के दिलों में भय है। आपको इसे देखना चाहिए। मुंबई के फॉर्मर पुलिस कमिश्नर इंडियन एक्सप्रेस के आर्टिकल में लिख रहे हैं कि As a Christian, today he feels scared. Where have we reached?

क्या ये अच्छे दिन हैं, जहां एक फॉर्मर पुलिस कमिश्नर को लिखना पड़ रहा है कि आज वह एक भारतीय है या नहीं, उसे यह कहने में डर है। मैं मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स से प्रार्थना करता हूं कि आपका दायित्व बनता है कि इस देश में शांति आए। जैसा कि अमेरिका के पूर्व राÂÂष्ट्रपति मार्टिन लूथर किंग ने कहा कि शांति का मतलब सिर्फ लड़ाई से नहीं है, दुनिया में शांति तब होती है, देश में शांति तब होती है, जब सबको जीने का हक मिलता है, सबको जस्टिस मिलता है। आज कुछ लोगों को लगता है कि भगवान सिर्फ एक ही धर्म में है, अन्य धर्मों में नहीं है। भगवान सिर्फ मंदिर में है, मस्जिद में नहीं है, चर्च में नहीं है। उनको मैं कहना चाहता हूं कि जब नरसिंह जैसा कृÂण का अवतार हुआ था तो उन्हीं लोगों को उन्होंने कुचला था, जो कहते हैं कि भगवान सिर्फ मंदिर में है।

महाराजा प्रह्लाद जी ने कहा था कि भगवान सब में है। भगवान मुझ में हैं, भगवान आप में हैं, भगवान हर स्थान पर हैं। इसलिए मैं एक श्लोक कहना चाहता हूं -

"एको देवः सर्वभूतेÂाष गुढः सर्वव्यापी सर्वभूतान्तरात्मा।

कर्माध्यक्षः सर्वलोकधिवासः साक्षी चेता केवलो निर्गुणश्च।। "

भगवान एक है। वह सबके दिलों में रहते हैं। वह सब जगह हैं। वह सर्वश्रेÂठ आत्मा हैं। वह हम सबको देख रहे हैं। इसलिए मैं आपसे दरख्वास्त करना चाहता हूं कि let us build a peaceful and prosperous India, not an India which is being divided by religions, not an India in which the minority religious groups are feeling threatened and vulnerable....(*Interruptions*)

आपका दायित्व बनता है, क्योंकि हम भारतीय हैं। We are one and we are everyone! Thank you very much. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : बाकी सभी लोग उनकी बातों को सपोर्ट करें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया, श्री के.सी. वेणुगोपाल, कुमारी सुÂिमता देव, श्री कोडिकुन्नील सुरेश, प्रो. के.वी. थॉमस, आप सभी लोग इसमें सहयोग करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Vincent H. Pala, DR. Thokchom Meinya, Shri Akshay Yadav, Shri Sankar Prasad Datta, Shri Badruddin Ajmal, Shri Radheshyam Biswas, Shrimati Kavitha Kalvakuntla, Shri M.B. Rajesh, Shri M.K. Raghavan, Dr. Shashi Tharoor, Shri P.K. Biju, Dr. A. Sampath and Shrimati P.K. Shreemathi Teacher are allowed to associate with Shri Gaurav Gogoi on the issue raised by him in the 'Zero Hour" today.

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Madam, I have given notice. Please allow me to speak. This is a very serious matter....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैंने आप सभी का नाम लिया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सबको बोलने के लिए एलाऊ नहीं कर सकती हूं।

â€¦(व्यवधान)

DR. P. VENUGOPAL (TIRUVALLUR): Hon. Speaker, what has been pointed out, if it is true, is highly condemnable. Our Party, the AIADMK, stands for upholding communal harmony. I want to share my views with the hon. Members in this august House.

India is a secular country. We uphold the virtue of tolerance.

"Secularism" means respect to all religions without hurting each other.

All politicians in our multi-Party secular country must avoid glorifying one religion and making loose comments on others.

Any politician giving rise to such social tensions must be immediately punished.

Recently, a turncoat leader who wants to please the leadership of the ruling Party has made certain observations. It has created social tensions in the social media. It has created tension not only in the media but also within the Party itself!

So, I urge upon the Government to take suitable action against that leader who is talking about Muslim and Christian worship places in an offending manner. Thank you. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सभी को बोलने के लिए अनुमति नहीं दे सकती हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर रंजन जी ने अलग इश्यू उठाया है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Adhir Ranjan Chowdhury.

...(*Interruptions*)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Madam, three days ago, one heinous crime took place in West Bengal....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, यह क्या हो रहा है? आपने बोला कि गौरव गोगोई बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : अध्यक्ष जी, जीरो आवर में बहस नहीं होती है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अध्यक्ष जी, इसको गंभीरता से लीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रोज-रोज यह नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर रंजन चौधरी जी, क्या आप बोलना चाहते हैं?

â€¦(व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY: Madam, the House is not in order.â€¦ (*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: There is also the Government in this side of the House!...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपने एक बार बोल दिया है, और बारबार ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, नो।

...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: He said that Shri Gogoi would speak. Shri Gogoi has spoken. Then, how can he go on making speeches? What is this? The Government totally disapproves of it....(*Interruptions*) There is no unity in their Party. What can we do?...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैंने केवल अधीर रंजन जी को बोलने की अनुमति दी है।

SUBMISSION BY MEMBERS

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing else will go on record.

...(*Interruptions*)â€¡ □

-

-

-

-

-

12.29 hrs.